जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ

उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट
वाल्मी भवन, सिंचाई विभाग,
उत्तर प्रदेश,
लखनऊ

यू0पी0डब्ल्यू0एस0आर0पी0 परियोजना (द्वितीय चरण) पैक्ट की 37वीं अधिशासी समिति बैठक सम्पन्न

परियोजना लाभार्थियों से सीधे संवाद कर प्रगति ऑकलन करेंगे मा0 सिंचाई मंत्री शिवपाल सिंह यादव

प्रमुख सचिव, सिंचाई दीपक सिंघल

अल्प समय में सिंचन क्षमता 4200 क्यूसेक से बढ़ाकर 6600 क्यूसेक पानी को गतिमान कर स्थापित किया है राष्ट्रीय कीर्तिमान

एम0पी0 अग्रवाल, अध्यक्ष, पैक्ट

लखनऊ, 02 सितम्बर, 2015

विश्व बैंक सहायतित सिंचाई विभाग उ0प्र0 की महत्वाकांक्षी परियोजना उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग प्रोजेक्ट (द्वितीय चरण) की प्रोजेक्ट एक्टीविटी कोर टीम (पैक्ट) अधिशासी समिति की 37वीं बैठक सिंचाई विभाग के प्रमुख सचिव, श्री दीपक सिंघल की अध्यक्षता में आज दिनांक 02.09.2015 को 12:30 बजे अपरान्ह बापू भवन स्थित सिंचाई विभाग के सभा कक्ष में सम्पन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रमुख सचिव, सिंचाई, श्री दीपक सिंघल ने कहा कि सिंचाई मंत्रीजी श्री शिवपाल सिंह यादव शीघ्र ही यू0पी0डब्ल्यू0एस0आर0पी0 के लाभार्थियों से परियोजना की प्रगति का

जायजा लेने के लिए जनता से सीधा संवाद स्थापित करेंगे। आपने कहा इस कार्य योजना के तहत मा0 सिंचाई मंत्री सोशल मीडिया के अलावा विशाल जन संपर्क सभाओं से रूबरू होकर जन समस्याओं, जन प्रतिक्रियाओं, जन भावनाओं का निराकरण/ समादर करेंगे।

परियोजना कार्यक्रमों की बिन्दुवार समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान यह तथ्य प्रकाश में आया कि शारदा सहायक कमाण्ड ने 70 प्रतिशत प्रगति की है, जबकि बुन्देलखण्ड क्षेत्र (रोहिनी, जामिनी एवं सजनम बॉध कैनाल प्रणाली) में अभी तक अपेक्षाकृत प्रगति नहीं हुई है। प्रमुख सचिव, सिंचाई ने इस पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए निदेर्शित किया कि अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में इस कार्य की सघन समीक्षा की जाये। श्री सिंघल ने यह भी निर्देश दिये कि जिन कार्यों का अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त हो गये है उनका क्रियान्वयन शीघ्र किया जाये। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि द्वितीय चरण के कार्यों की लागत के वृद्धि के फलस्वरूप परियोजना का मिड टर्म रिव्यू इसी वर्ष के अन्त में किया जायेगा।

एम0पी0 अग्रवाल सचिव, सिंचाई एवं अध्यक्ष, पैक्ट ने बताया कि निचली गंगा नहर प्रणाली की शाखाओं का पुनरोद्धार कार्य प्रगति पर है। जिसके तहत अल्प समय में सिंच्चन क्षमता 4200 क्यूसेक से बढ़ाकर 6600 क्यूसेक की गई है, जो राष्ट्रीय स्तर पर अपने आप में कीर्तिमान है। आपने बताया कि विश्व बैंक की सहायता से 1000 करोड़ की लागत का लाइनिंग कार्य का शीघ्र ही शुभारम्भ प्रस्तावित है। इसके पूर्ण होने पर सिंचन क्षमता 8900 क्यूसेक हो जायेगी।

बैठक में प्रमुख अभियन्ता/ विभागाध्यक्ष श्री डी0के0 डुडेजा के अतिरिक्त संबंधित प्रमुख अभियन्ता, मुख्य अभियन्ता आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन पैक्ट के मुख्य अभियन्ता, के0के0 जैन ने किया।